मुख्यालय पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश
1, तिलक मार्ग, लखनऊ।

परिपत्र संख्याः डीजी– 37 दिनांकः जुलाई 09, 2018

समस्त विभागाध्यक्ष/कार्यालयाध्यक्ष,
पुलिस विभाग, उत्तर प्रदेश ।

समय–समय पर इस मुख्यालय द्वारा पुलिस कर्मियों को साफ–सुथरी, चुस्त–दुरूस्त एवं निर्धारित वर्दी धारण करने हेतु निर्देश निर्गत किये गये हैं । इन निर्देशों के बावजूद अब भी कई पुलिस कर्मियों द्वारा निर्धारित वर्दी न पहनने, वर्दी के साथ टोपी व नेम प्लेट न लगाने, कमीज के बटन खुले रखने, निर्धारित पैटर्न के जूते–मोजे न पहनने, खराब वर्दी धारण करने आदि की शिकायतें संज्ञान में आ रही हैं। वर्दी धारण करने के प्रति कमोबेश ऐसी ही उदासीनता/अनुशासनहीनता विशेष वाहक के रूप में आने वाले कर्मियों, विभिन्न कार्यालयों में कार्यरत कर्मियों, सन्तरी ड्यूटी, गार्द ड्यूटी, विभिन्न महानुभावों की सुरक्षा ड्यूटी आदि में लगे कर्मियों के साथ–साथ पुलिस के General movement में भी दिखाई देती है । यह भी देखने में आया है कि कुछ कर्मी वर्दी तो ठीक धारण करते हैं, किन्तु वे वर्दी के साथ टोपी नहीं लगाते । अधिकांश पुलिस कर्मी वर्दी के साथ टोपी न लगाने की व्याधि से ग्रसित प्रतीत होते हैं जिससे कभी–कभी ऐसा आभासित होने लगता है कि टोपी अब पुलिस की वर्दी का हिस्सा नहीं रह गयी है । दुर्भाग्य से वरिष्ठ अधिकारियों के साथ–साथ थाना/इकाई प्रभारियों द्वारा भी इसको नजरंदाज किया जा रहा है जिससे अनुशासनहीनता को लगातार बढ़ावा मिल रहा है । यह स्थिति किसी भी दृष्टिकोण से उचित नहीं कही जा सकती ।

2– पुलिस की वर्दी हमारी पहचान है । साफ–सुथरी व निर्धारित वर्दी में पुलिस कर्मी शासन की संवैधानिक शक्तियों का प्रतीक हैं, जिनसे शासन एवं प्रशासन की छवि बनती है । पुलिस कर्मी जब चुस्त–दुरूस्त वर्दी धारण कर जनता के सामने जाते हैं तो वे त्वरित कार्यवाही क्षमता (Battle Readiness) का अहसास कराते हैं। इसके विपरीत जब पुलिस कर्मी खराब वर्दी धारण कर जनता के समक्ष जाते हैं तो उनके किसी शक्तिहीन संगठन का सदस्य होने का सन्देश जाता है। इससे पुलिस को जनता का अपेक्षित सहयोग एवं सम्मान नहीं मिल पाता है ।

3– मैं चाहूंगा कि सभी पुलिस कर्मी नियमित रूप से निर्धारित एवं चुस्त–दुरूस्त वर्दी धारण करें, जिससे जनता में पुलिस के लिये आदर एवं सम्मान बना रहे । इलेक्ट्रानिक एवं प्रिन्ट मीडिया में अक्सर पुलिस कर्मियों की ऐसी तस्वीरें प्रकाशित होती हैं जिनमें उन्हें जनता के बीच रहकर कर्तव्यपालन करते हुये दर्शाया जाता है । इन तस्वीरों में भी ज्यादातर पुलिसजन या तो बिना टोपी धारण किये नजर आते हैं अथवा वर्दी के नियमों के विपरीत तरह–तरह के अनियमित Uniform items धारण किये हुए दिखाई देते हैं । ऐसे पुलिस कार्मिकों के विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही हेतु इस मुख्यालय से समय–समय पर पत्र निर्गत किए गये हैं परन्तु अधिकारियों द्वारा इस ओर समुचित ध्यान न दिये जाने के कारण स्थिति में सुधार नहीं हो रहा है । उच्च पदों पर आसीन अधिकारियों द्वारा अनुशासनहीनता के प्रति इस प्रकार का नजरिया विभाग के हित में नहीं है । हम सभी का यह दायित्व है कि इस प्रकार की अनुशासनहीनता पर कठोरता से अंकुश लगे ।

4— पुलिस से उच्चतर अपेक्षाओं के इस दौर में अब यह आवश्यक हो गया है कि हम न केवल समुन्नत संसाधनों के माध्यम से अपनी व्यवसायगत दक्षता(Professional compitence) बढ़ाने हेतु निरन्तर प्रयत्नशील रहें अपितु हमारा टर्न–आउट एवं वर्दी भी चुस्त–दुरूस्त एवं निर्धारित श्रेणी की हो जिससे हम जनता को एक शक्ति–सम्पन्न एवं अनुशासित संगठन का संदेश दे सकें । गलत वर्दी धारण करने, टोपी व नेमप्लेट न लगाने अथवा निर्धारित पैटर्न का जूता–मोजा न पहनने की कुप्रथा अब समाप्त होनी चाहिये । अधिकारियों के स्तर से गलत वर्दी धारण करने वालों की नियमित टोका–टाकी अवश्य की जाय, जिससे यह सन्देश प्रसारित हो कि कर्मियों का टर्न–आउट सदैव अधिकारियों की निगाह में रहता है । बार–बार टोकने के बावजूद अपने टर्न आउट में सुधार न लाने वाले पुलिस कर्मियों के विरूद्ध डिफाल्टर/ ओ0आर0 व आवश्यकतानुसार अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाये । विशेष वाहक एवं विभिन्न ड्यूटियों हेतु भेजे जाने वाले पुलिस कर्मियों की रवानगी के समय उन्हें निर्धारित वर्दी धारण करने, अपना टर्न आउट अच्छा बनाये रखने व अनुशासित रहने आदि के लिए सक्षम अधिकारियों द्वारा हिदायत अवश्य दी जाय । यह भी देखने में आया है कि कतिपय पुलिस कर्मियों द्वारा Tactical duties यथा सन्तरी ड्यूटी आदि के दौरान मोबाइल फोन का उपयोग किया जाता है, जो अनुचित है। Tactical duties में मोबाइल फोन का प्रयोग न करने हेतु पुलिस कर्मियों को समुचित निर्देश निर्गत किये जायें, ताकि इस प्रकार की महत्वपूर्ण ड्यूटी हेतु वांछित एकाग्रता बाधित होने से कोई लापरवाही न हो । इसके साथ–साथ यह भी आवश्यक होगा कि जो पुलिस कर्मी साफ–सुथरी निर्धारित वर्दी धारण कर अच्छा टर्न आउट प्रस्तुत करें, उन्हें प्रोत्साहित करते हुए यथोचित ढंग से सम्मानित भी किया जाय ।

आप मेरी इन भावनाओं से अपने अधीनस्थों को अवगत करायें और स्वयं व उनके माध्यम से इन निर्देशों का धरातल पर शुद्ध अन्तःकरण से अनुपालन कराना सुनिश्चित करें जिससे हम उत्तर प्रदेश पुलिस की एक अच्छी छवि जनता के समक्ष निरूपित कर सकें । इन निर्देशों के बाद भी ऐसा दृष्टान्त पाये जाने पर दोषी कर्मी के विरूद्ध यथोचित कार्यवाही अवश्य की जाय। प्रदेश पुलिस की छवि को प्रभावित करने वाले इस विषय के प्रति पूरी संवेदनशीलता बरते जाने की नितान्त आवश्यकता है। मैं पूर्णतया आशान्वित हूं कि आप अपने इस दायित्व के निर्वहन में कोई कोर–कसर बाकी नहीं रखेंगे ।

9.7.18

(ओ0पी0 सिंह)
पुलिस महानिदेशक
उत्तर प्रदेश।